गृह मंत्रालय, भारत सरकार
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जमशेदपुर

सी.एस.आई.आर.–राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला
जमशेदपुर – 831 007
डॉ0 एस. श्रीकान्त
अध्यक्ष
दूरभाष : (0657) 2345202,2345028(का.) / 2223864(आ.)

CSIR-National Metallurgical Laboratory
JAMSHEDPUR : 831 007
डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार
सदस्य–सचिव
दूरभाष : (0657)2345161 (कार्या0) 2346088 (आ.)

दिनांक : 14.10.2014

दिनांक 30.09.2013 को अपराह्न 3.00 बजे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जमशेदपुर की बैठक सीएसआईआर–राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला के व्याख्यान–कक्ष में आयोजित की गई थी। बैठक में 65 से अधिक अधिकारी मौजूद थे। सुबह का अखबार आज भी ऐसी सूचना से भरा था कि पूरा शहर शोक संतप्त था। आज भी शहर के तीन छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी। कुल मिलाकर जनवरी, 2013 से सितम्बर, 2013 तक सौ से ज्यादा छात्र–छात्राओं ने आत्महत्या की थी। इस शहर को क्या हो गया है? पिछले कुछ वर्षों में दो सौ से अधिक छात्र–छात्राओं ने अपने सपने को नये पंख देने और अपने भविष्य की नई मंजिल तय करने की अपेक्षा जीवन से हार मान ली थी और अपने अस्तित्व को मिटा देने का कठोर निर्णय ले लिया था। आज नराकास की बैठक में सभी विचलित लग रहे थे। बैठक की शुरुआत में नराकास के सदस्य–सचिव डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार ने सदस्यों का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि हमारे जमशेदपुर के नौनिहाल, स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र–छात्रायें दिशाहीन हो रहे हैं। आज हम सभी का हृदय पीड़ा से भरा है। इस शहर में कुछ दिनों पहले पांचवीं कक्षा की एक बच्ची ने फेल होने के डर से आत्महत्या कर ली है। अब तक दो सौ से अधिक बच्चों ने आत्महत्या की है। आज हमारी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जमशेदपुर यह प्रस्ताव लाती है कि हम सब मिलकर बच्चों में बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिये कार्यक्रम बनायेंगे और स्कूल और कॉलेज में जाकर बच्चों, शिक्षकों एवं बच्चों के माता–पिता के लिये कार्यक्रम करेंगे। जैसे ही यह प्रस्ताव लाया गया सभी ने जोरदार तालियों से इस प्रस्ताव को स्वीकार किया मानो सभी के हृदय की बात इस प्रस्ताव में सम्मिलित हो। फिर यह बैठक पूरी तरह से इसी चर्चा के लिये समर्पित हो गई। इस चर्चा में कई कार्यालय प्रमुखों ने अपने विचार रखे। चर्चा में भाग लेने वालों में श्री अजय कुमार सिंह, उपायुक्त आयकर विभाग, श्री राजीव कुमार मिश्र, अपर आयुक्त, सेन्ट्रल एक्साइज, श्री प्रमोद कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, परमाणु ऊर्जा, सुश्री सीमा टोलिया, कमान अधिकारी, द्रुत कार्य बल, श्री जय कुमार, क्षेत्रीय आयुक्त, भविष्य निधि, श्री प्रणय कुमार, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, श्री बी0पी0 महंति, उप आंचलिक प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया, श्री विकास कुमार, सहायक महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, श्री संजय कुमार झा, प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, श्री संजय प्रेमराव देशमुख, उपनिदेशक, आकाशवाणी, श्री बी0ए0 टेटे, उपनिदेशक, दूरदर्शन अनुरक्षण केन्द्र आदि थे। सभी ने एक स्वर से इस समस्या के निराकरण के लिये नराकास, जमशेदपुर के स्तर पर कार्यक्रम विकसित करने का निर्णय लिया। तय यह किया गया कि चूंकि यह कार्यक्रम नराकास, जमशेदपुर के मंच से किया जायेगा, अतः कार्यक्रम की रूप रेखा पूरी तरह राजभाषा हिन्दी में तैयार की जायेगी। समिति ने इस तरह के कार्यक्रम के विकास की जिम्मेवारी सदस्य–सचिव डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार को सौंपी।

नराकास, जमशेदपुर के तत्वावधान में डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार ने "हमारी सफलता : हमारे हाथ हमारे साथ" नामक कार्यक्रम विकसित किया जिसका उद्घाटन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में दिनांक 28 फरवरी, 2014 दो मनोचिकित्सक के समक्ष किया गया। कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा

और अब इसे जमशेदपुर में स्थित 300 से अधिक स्कूल एवं कॉलेजों में करने के लिये डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार को अधिकृत किया गया। नराकास के अध्यक्ष डॉ0 एस0 श्रीकांत ने प्रत्येक शुक्रवार को स्कूल एवं कॉलेज में इस कार्यक्रम को करने के लिये डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार को स्थायी रूप से अनुमति प्रदान की।

इस प्रकार नराकास, जमशेदपुर द्वारा स्कूल एवं कॉलेज के बच्चों के लिये कार्यक्रम की शुरुआत कर दी गई। डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार द्वारा स्कूल में किया जाने वाला यह कार्यक्रम बहुत ही लोकप्रिय होने लगा और बच्चों के माता–पिता एवं शिक्षकों के लिये भी इस कार्यक्रम की मांग होने लगी। अब इस कार्यक्रम की मांग विभिन्न संस्थानों की महिलाओं के लिये भी होने लगी। दिनांक 06 सितम्बर, 2014 को यूसीआईएल स्थित कार्मिकों की पत्नियों के लिये यह कार्यक्रम नरवापहाड़ स्थित ऑडिटोरियम में यूरेनियम कार्पोरेशन के सी0एम0डी0 की पत्नी की अध्यक्षता में की गई।

इस कार्यक्रम को गति देने के लिये सीएसआईआर–एन0एम0एल0 के कार्मिक श्री परमार्थ सुमन ने नराकास, जमशेदपुर का ब्लॉग साइट (https://sites.google.com/site/narakasjsr/) निर्मित किया और स्कूल एवं कॉलेजों में इस कार्यक्रम को करने के लिये इस ब्लॉग साइट पर प्रोफॉर्मा भी डाल दिया गया।

अब जमशेदपुर की फिजां बदलने लगी है। नराकास, जमशेदपुर का यह छोटा सा प्रयास अब रंग लाने लगा है। अब यहां के बच्चे जीवन के रहस्यों को जानने लगे हैं। अब उन्हें पता लगने लगा है कि उनका जीवन अस्तित्व की अनुपम देन है और मानवता के कल्याण के लिये, भारत माता की सेवा के लिये और अपने घर तथा समाज को प्रकाशित करने के लिये उन्हें अपने जीवन को सुरभित और सक्षम बनाना है। हरेक असफलता सफलता की मजबूत नींव बनकर आती है, जो इस रहस्य को जान लेता है उसे जोखिम से प्यार हो जाता है और जोखिम जीवन को निखार कर उसे प्रदीप्त बनाता है। नराकास, जमशेदपुर ने जो शुरुआत की है, वह एक नन्हा सा प्रयास है।

पुरुषोत्तम कुमार

(डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार)
सदस्य–सचिव